28-02-2020

अमर उजाला कानपुर

न्यूज डायरी

शर्करा शिक्षण में विश्व का पहला संस्थान बना एनएसआई

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट विश्व का पहला ऐसा शर्करा संस्थान है जहां छात्र-छात्राएं चीनी बनाने की तकनीक पढ़ने के साथ चीनी के विभिन्न उत्पाद बनाना सीख जाएंगे। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि विश्व के शर्करा संस्थानों में सिर्फ एनएसआई में ही रिफाइनरी की स्थापना की गई है। अभी तक विश्व के विभिन्न संस्थान चीनी उद्योग से संबंधित तकनीकों के संबंध में पाठ्यक्रम पूरा कराते हैं। इसके बाद छात्र-छात्राएं चीनी मिलों में जाकर सीखते हैं। बता दें नाइजीरिया, चीन समेत विभिन्न देशों के विज्ञानी एनएसआई की तकनीक देखने के लिए कानपुर आते हैं। एनएसआई की रिफाइनरी की क्षमता प्रतिदिन 10 टन उत्पादन की है। 258 लाख रुपये में रिफाइनरी चार महीने के अंदर बन कर तैयार हो गई है। ब्यूरो

एनएसआई में बाएं से शैलेंद्र त्रिवेदी, निदेशक नरेंद्र मोहन और संजय चौहान।

शर्करा संस्थान में चार माह में चालू हुई नई शर्करा रिफाइनरी

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रायोगिक शर्करा प्रयोगशाला में शर्करा रिफाइनरी की स्थापना का कार्य चार माह के रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया गया। दस टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाली इस इकाई की स्थापना पर ₹ 258 लाख का खर्च आया है। इसकी स्थापना के साथ ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान विश्व में एकमात्र ऐसा संस्थान बन गया है, जहां विभिन्न शर्करा संबंधित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को संस्थान परिसर में ही शर्करा कारखाने के भीतर विभिन्न प्रकार की चीनी बनाने का अनुभव प्राप्त हो सकता है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि उक्त इकाई की स्थापना के साथ ही संस्थान विद्यार्थियों के अलावा कच्ची (रॉ), प्लांटेशन व्हाइट, रिफाइंड एवं अन्य विशिष्ट शर्करा उत्पादन के क्षेत्र में शर्करा उद्योग कर्मियों का ज्ञान संवर्द्धन करने में सक्षम हो गया है। शर्करा प्रौद्योगिकी के सहायक आचार्य एसके त्रिवेदी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए इस रिफाइनरी इकाई में जंगरोधी स्टील का प्रयोग किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए इस इकाई में दो स्तरीय ब्राइन-रिकवरी व्यवस्था को भी स्थापित किया गया है।

रिफाइनरी की जानकारी देते निदेशक प्रो. नरेन्द्र ।

एनएसआई में होगी शर्करा के सभी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई

उपलब्धि

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान देश का एकमात्र ऐसा संस्थान हो गया है, जहां शर्करा से संबंधित सभी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई हो सकेगी। गुरुवार को संस्थान की शर्करा प्रयोगशाला में शर्करा रिफाइनरी की शुरुआत की गई। यह रिफाइनरी 258 लाख के बजट से महज चार माह में बनकर तैयार हो गई है।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इसी सत्र के छात्र इसमें प्रैक्टिकल कर सकेंगे। इसमें दस टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखते हुए रिफाइनरी इकाई में जंगरोधी स्टील का प्रयोग किया गया है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए दो स्तरीय ब्राइन रिकवरी व्यवस्था को भी स्थापित किया जाएगा।

गुरुवार को शर्करा प्रयोगशाला की रिफाइनरी में एनएनआई के निदेशक।

NSI only institute in world to have in-plant training facility

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The Director of the National Sugar Institute, Prof Narendra Mohan on Thursday said with the the commissioning of sugar refinery at the Experimental Sugar Factory, the Institute had become the only sugar institute in the world to have such facilities for in-plant training of the students of the courses. He said the 10 tonnes per day refined sugar producing plant had been commissioned at a cost of ₹ 258 lakh in a record time of four months and the plant had been designed after studying various models available worldwide and consulting eminent experts in the field of sugar refining.

He said it was a dream come true, as its importance was long felt. He said the sugar industry in India was now keen on producing such sugar to meet the quality requirements of not only beverage and pharmaceutical industry but also of common consumer. He said with the surplus sugar production, the country was exploring the global markets to dispose of the excess sugar where again only raw or refined sugar was traded.

He said thus it was important that required technical knowledge was imparted to the students who will take up responsibilities in the sugar industry in future.

He added that with the commissioning of the refined sugar plant, now the institute was in position to impart training not only to the students but also to desirous sugar industry personnel for upgrading their knowledge on production of raw, plantation white, refined and other special sugars.

He said the refined sugar unit installed was designed to work on both the technologies of de-colorization i.e. ion-exchange resins and powdered active carbon with membrane filters.

He said this was unique and such facility did not exist any where else, thus, it would provide a wider exposure about the most modern available technologies.

Prof Mohan said the institute had also considered the various applicable food safety norms and therefore at most of the places, the construction of process equipment was considered in stainless steel.

He said the environmental issues were also kept in consideration and a two stage brine recovery system had been installed.

SK Trivedi, Assistant Professor of Sugar Technology and Head of the refinery implementation committee was also present on the occasion.

Director, NSI, Prof Narendra Mohan displays the products of the Experimental Sugar Factory on Thursday Pioneer